DETAILS EXPLANATIONS

Paper Code : RPSCEE02 | : RPSCCE02 | RPSCME02

[अनुभाग-अ]

1. **(क)** (i) देवालय (ii) षड़ानन
(ख) (i) उत् + हरण (ii) काव्य + ऊर्मि

2. **(क)** (i) दूध–रोटी (ii) मुनिश्रेष्ठ
(ख) (i) ऋण से मुक्त (ii) मंद है जिसकी बुद्धि

3. **(क)** (i) पराजय, पराभव, पराक्रम, परामर्श।
(ii) विजय, विज्ञान, विदेश, वियोग, विनाश।
(ख) (i) अति (ii) उत्

4. **(क)** (i) अक–लेखक, नायक, गायक, पाठक।
(ii) आनी–देवरानी, सेठानी, नौकरानी।
(ख) (i) रसोई (ii) तेल

5. **(क)** (i) हनुमान–महावीर, बजरंग, पवनपुत्र, अंजनी नंदन, पवनसुत, केसरी नंदन।
(ii) मनोज–कामदेव, पुष्पधन्वा, रतिपत्ति।
(ख) (i) संन्यासी–गृहस्थ (ii) मूक–वाचाल

6. (i) अंगना – स्त्री अँगना–घर का आँगन।
(ii) ओर – दिशा, तरफ। और–दूसरा।

7. (i) आक्रान्त (ii) उपत्यका
(iii) कृतज्ञ (iv) छिद्रान्वेषी

8. (i) आशीर्वाद (ii) अतिथि
(iii) पूजनीय (iv) वाल्मीकि

9. (i) मैंने अपना काम कर लिया।
(ii) अपराधी और निरपराध में अन्तर करना कठिन है।
(iii) उसने पाँच कचौड़ियाँ खायी।
(iv) रास्ते में कई वृक्ष मिले।

10. (i) अँगूठा चूमना – चापलूसी करना। खुशामद करना।
प्रयोग : मुझे तुम्हारा धन नहीं चाहिए। तुम्हारा अँगूठा तो वहीं चूमेगा, जिसने तुम्हारे धन पर आँख गड़ाई होगी।
(ii) मखमली जूते मारना–मीठी बातों से लज्जित करना।
प्रयोग : अवधेश जब चोरी करता पकड़ा गया, तो गुरुजी ने दण्ड़ नहीं दिया अपितु मखमली जूते मारे।
(iii) अंधे की लकड़ी–एक मात्र सहारा।
प्रयोग : निराशा में प्रतीक्षा अंधे की लाठी हैं।

(iv) गूलर का फूल होना–कभी–कभी दिखाई देना। या दुर्लभ होना।

प्रयोग : आजकल तो जनाब गूलर के फूल हो गये है, दिखायी ही नहीं पड़ते।

(v) गागर में सागर भरना–थोड़े में अधिक करना।

प्रयोग : कवि बिहारी ने अपने दोहों में गागर में सागर भर दिया हैं।

(vi) पापड़ बेलना–कष्ट से जीवन बिताना।

प्रयोग : प्रेम में पापड़ तो बेलते ही पड़ते हैं।

(vii) द्रौपदी का चीर होना, मुहावरे का अर्थ–अनन्त/अन्तहीन होता है।

प्रयोग : मोहन का कर्ज चुकाना सोहन के लिए द्रौपदी का चीर हो गया।

(viii) मूँछ–मुँडाना– वादा पूरा न करना।

प्रयोग : चुनावी वादा पूरा न करने के कारण लोकसभा चुनाव प्रचार में नेता जी को मूँछ मुँडाने की नौबत आ गई।

11. निम्नलिखित लोकोक्तियों का वाक्यों में प्रयोग द्वारा अर्थ स्पष्ट कीजिए– (कोई चार)

(i) आटे के साथ घुन भी पिसता है।

अपराधी व्यक्तियों की संगति में रहने से निरपराध भी दोषी हो जाते हैं। छात्रसंघ चुनाव में पत्थर बाजी के कारण पुलिस ने कुछ निर्दोष छात्रों को भी गिरफ्तार कर लिया।

(ii) चमड़ी जाए पर दमड़ी न जाए।

बहुत अधिक कंजूस होना।

हरीश अपने बेटे को विद्यालय जाने के लिए पुस्तक भी नहीं दिलाता, उसका यहीं सिद्धान्त है, कि चमड़ी जाए पर दमड़ी न जाए।

(iii) अपनी डफली अपना राग।

भिन्न लोगों के भिन्न मत होना।

सब एक साथ मिलकर काम करो, अपनी अपनी डफली अपना–अपना राग अलापना छोड़ो तभी देश का कल्याण हो सकता है।

(iv) घर का जोगी जोगना, आन गाँव का सिद्ध।

जो मनुष्य बहुत परिचित होता है उसकी योग्यता को न पहचानकर किसी अन्य व्यक्ति की योग्यता को महत्त्व देना।

दिनेश ने गाँव में पंडित होने के बावजूद अन्य गाँव के पंडित को बुलाया इससे स्पष्ट होता है, घर का जोगी जोगना आन गाँव का सिद्ध।

(v) हाथ कंगन को आरसी क्या।

प्रत्यक्ष को प्रमाण की जरुरत नहीं होती।

रमेश की करतूत को मैंने देख लिया, उसके लिए अब किसी भी प्रमाण की आवश्यकता नहीं हैं। अर्थात् हाथ कंगन को आरसी क्या, पढ़े लिखे को फारसी क्या।

(vi) खग जाने खग ही की भाषा।

अपने वर्ग के लोग ही एक दूसरे को समझ सकते हैं।

(vii) नाच न जाने आँगन टेढ़ा।

काम करना नहीं आना और बहाने बनाना।

साइकिल चलाना नहीं आता, और उसे पुरानी बता रहा है।

(viii) अधजल गगरी छलकत जाय।

घड़ा आधा भरा हुआ हो, तो आवाज करता है, साथ ही छलक कर गिर भी जाता है और पूरा भरा हुआ हो, तो बिल्कुल आवाज नहीं करता है और न ही छलकता है।

निष्कर्ष : गुणवान व्यक्ति सरल एवं गंभीर रहते है वे बोलने के बाद नहीं सोचते हैं बल्कि बोलने से पहले सोचते है।

12. निम्नलिखित अंग्रेजी शब्दों के समानार्थक हिन्दी शब्द लिखिए– (कोई 4)

(i) अधिसूचना (ii) अध्यादेश

(iii) कानूनन आवश्यक, अनिवार्य (iv) मानदेय

(v) परित्याग या परित्यक्त करना। (vi) कोरा पन्ना

(vii) रोक (viii) आतंक